

लियो जम्भेश्वर अवतार धिन गुरु देव ने भजन लिरिक्स



जुग तारण हरी आविया ओ,
जुग तारण हरी आविया,
लियो जम्भेश्वर अवतार,
धिन गुरु देव ने।bd।

माता हंसा ज्यारी केसरी,
पिता लोहट क्षत्रिय कुमार,
धिन गुरु देव ने,
लियो जम्भेश्वर अवतार,
धिन गुरु देव ने।bd।

जिला रे जोधपुर गाँव पीपासर,
जित अवतार लियो जम्भेश्वर,
कियो पीपासर उजियार,
धिन गुरु देव ने,
लियो जम्भेश्वर अवतार,
धिन गुरु देव ने।bd।

पंद्रह सौ आठे की साल में,
भादवे री आठम सोमवार,
धिन गुरु देव ने,
लियो जम्भेश्वर अवतार,
धिन गुरु देव ने।bd।

चारखूट और चोवदे भवन में,
धूमिय ओ सिरजन हार,
धिन गुरु देव ने,
लियो जम्भेश्वर अवतार,
धिन गुरु देव ने।bd।

जाम्भाणी पंथ सही कर मानो,
हैं खांडेरी आधार
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



धिन गुरु देव ने,
लियों जम्भेश्वर अवतार,
धिन गुरु देव ने।bd।

उनतीस नियम बताविया,
कोई इमारत पाल पिलाय,
धिन गुरु देव ने,
लियों जम्भेश्वर अवतार,
धिन गुरु देव ने।bd।

अनवी राजा निवाविया,
कोई शब्दों रो ज्ञान सुणाय,
धिन गुरु देव ने,
लियों जम्भेश्वर अवतार,
धिन गुरु देव ने।bd।

रामकरण चरणों रो चाकर,
म्हाने भव सू ओ पार उतार,
धिन गुरु देव ने,
लियों जम्भेश्वर अवतार,
धिन गुरु देव ने।bd।

जुग तारण हरी आविया ओ,
जुग तारण हरी आविया,
लियो जम्भेश्वर अवतार,
धिन गुरु देव ने।bd।

गयाक – मनोहर विश्नोई।
प्रेषक – रामेश्वर लाल पँवार।
आकाशवाणी सिंगर।
9785126052
